Roll No. ....

E–144

M. A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec.-Jan., 2020-21

HINDI

Paper Fourth

(आधुनिक गद्य साहित्य)

[नाटक**,** एकांकी एवं रेखाचित्र (साहित्य)**]**

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 80*

नोट : निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ प्रत्येक 1

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'हानूश' किसकी रचना है ?

   (अ) जयशंकर प्रसाद

   (ब) भीष्म साहनी

   (स) प्रेमचंद

   (द) इनमें से कोई नहीं

P. T. O.

2. 'हानूश' नाटक का पात्र नहीं है :
   (अ) रमेश
   (ब) यान्का
   (स) जॉन
   (द) ऐमिल

3. "इसकी आँखें निकलवाइए, हुज़ूर, अन्धा आदमी क्या करेगा ?" कथन है :
   (अ) महाराज का
   (ब) हुसाक का
   (स) टाबर का
   (द) जैकब का

4. इनमें से कौन-सा पात्र 'चंद्रगुप्त' नाटका का नहीं है ?
   (अ) देवल
   (ब) नागदत्त
   (स) एलिस
   (द) यामिनी

5. अलका थी :
   (अ) तक्षशिला की राजकुमारी
   (ब) शकटार की कन्या
   (स) सिंधु देश की कुमारी
   (द) मगध राजकुमारी

6. सिकंदर का सेनापति था :
   (अ) आइबर्टियस
   (ब) सिल्यूकस
   (स) मेगास्थनीज
   (द) फिलिप्स

7. "यवन क्या तुम्हारे देश की सभ्यता तुम्हें स्त्रियों का सम्मान करना नहीं सिखाती ? क्या सचमुच तुम बर्बर हो ?" 'चंद्रगुप्त' नाटक का यह कथन है :

(अ) सिंहरण

(ब) अल्का

(स) मालविका

(द) नंद

8. 'दीपदान' के रचनाकर हैं :

(अ) जगदीशचंद्र माथुर

(ब) रामकुमार वर्मा

(स) लक्ष्मीनारायण लाल

(द) भीष्म साहनी

9. 'दीपदान' एकांकी का पात्र नहीं है :

(अ) सोना

(ब) कीरत

(स) बनवीर

(द) बनवारी

10. 'एक दिन' किसकी रचना है ?

(अ) लक्ष्मीनारायण लाल

(ब) रामकुमार वर्मा

(स) जयशंकर प्रसाद

(द) लक्ष्मीनारायण मिश्र

11. 'एक दिन' एकांकी के पात्र हैं :

(अ) रमा, विजय

(ब) चितरंजन, रमानाथ

(स) मोहन, शीला

(द) सोहन, शीतल

12. जगदीशचंद्र माथुर की रचना है :

(अ) रीढ़ की हड्डी

(ब) शिक्षादान

(स) एक घूँट

(द) ताँबे के कीड़े

13. 'तौलिये' एकांकी का पात्र नहीं है :

(अ) वसन्त

(ब) मधुमिता

(स) सुरो

(द) मंगला

14. 'मम्मी ठकुराइन' एकांकी के पात्र नहीं है :

(अ) नीता, बहादुर

(ब) अजय, मुंशीजी

(स) खन्ना बाबू, टिकट बाबू

(द) विजय, डाक बाबू

15. "बड़ी देखीं साहिबा खून वालों की ! .... सुनो बहुदर की माँ। इनसे जरा दबा न करो बहू।" कथन है :

(अ) मुंशीजी का

(ब) ठकुराइन का

(स) मम्मी का

(द) प्रोफ़ेसर साहब का

16. 'अतीत के चलचित्र' के रचनाकार हैं :
    (अ) सुभद्राकुमारी चौहान
    (ब) निराला
    (स) महादेवी वर्मा
    (द) शिवानी

17. 'अतीत के चलचित्र' में कुल कितनी संस्मरण कथाएँ संग्रहित हैं ?
    (अ) 7
    (ब) 9
    (स) 11
    (द) 10

18. विष्णुगुप्त किसका नाम है ?
    (अ) चाणक्य
    (ब) अमात्य
    (स) राक्षस
    (द) इनमें से कोई नहीं

19. किस लेखक के नाटकों में गीत अधिक मिलते हैं ?
    (अ) डॉ. रामकुमार वर्मा
    (ब) प्रसाद
    (स) महादेवी वर्मा
    (द) भीष्म साहनी

20. 'तौलिये' एकांकी किस समस्या को उभारती है ?
    (अ) पारिवारिक तनाव
    (ब) पति-पत्नी के झगड़े
    (स) स्वच्छता की समस्या
    (द) पत्नी की मनमानी

खण्ड—ब प्रत्येक 2

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. हानूश मूलतः क्या कार्य करता था ?
2. 'चन्द्रगुप्त' के प्रमुख नारी पात्रों के नाम लिखिए।
3. पन्ना ने किस दीप का दान किया ?
4. हानूश को राजा ने क्या विशेष इनाम दिया ?
5. कार्नेलिया का विवाह चन्द्रगुप्त से क्यों किया जाता है ?
6. जयशंकर प्रसाद के दो नाटकों के नाम लिखिए।
7. 'तौलिये' एकांकी का उद्देश्य बताइए।
8. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के दो पात्रों के नाम लिखिए।

खण्ड—स प्रत्येक 3

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर 30 से 75 शब्दों में दीजिए।

1. 'चन्द्रगुप्त' नाटक के आधार पर चन्द्रगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।
2. 'हानूश' की कथानक संक्षेप में लिखिए।
3. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का केन्द्रीय भाव लिखिए।
4. 'दीपदान' एकांकी के आधार पर पन्नाधाय का चरित्र-चित्रण कीजिए।
5. 'हानूश' नाटक के आधार पर कात्या का चरित्र-चित्रण कीजिए।
6. हिन्दी के तीन रेखाचित्रों के नाम लिखिए।

7. ‘अतीत के चलचित्र’ रचना के बारे में बताइए।

8. ‘एक दिन’ एकांकी के आधार पर इसके मुख्य स्त्री पात्र के बारे में बताइए।

खण्ड—द प्रत्येक 5

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर 75 से 150 शब्दों में दीजिए।

1. भारतीय नाट्य तत्वों के आधार पर ‘चन्द्रगुप्त’ की विवेचना कीजिए।

अथवा

‘मम्मी ठकुराइन’ एकांकी के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

2. एकांकी के तत्वों के आधार पर ‘रीढ़ की हड्डी’ की विवेचना कीजिए।

अथवा

‘अतीत के चलचित्र’ में संग्रहित संस्मरण कथाओं में से किसी एक का सारांश लिखिए।

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

“आदमी की आधारभूत भावनाओं पर नित्य नये दिन चढ़ते चले जाने वाले परतों का नाम ही तो संस्कृति है। सोसाइटी के एक वर्ग के लिए दूसरा वर्ग सदैव असभ्य और असंस्कृत रहेगा। फिर कहाँ तक आदमी सभ्यता और संस्कृति के पीछे भागे। और रही सुरुचि, तो यह भी अभिजात वर्ग की स्नॉबरी का दूसरा नाम है।”

अथवा

“लगता है इन लोगों के मारे घर ही छोड़ना पड़ेगा। जैसे दुनिया में इन्हीं के बाल-बच्चे हैं। यही शरीफ़ हैं, इन्हीं को सारी तमीज़ है, जो बीबी की ओर से लड़ने आये हैं।”

4. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

“सामन्त विचारधारा अभी आपकी नहीं छूटी है। हर बात में आप मर्यादा और आदर्श डाल देते हैं, यहाँ तक कि अपनी लड़की का सुख भी आप नहीं देखते।”

अथवा

“ब्राह्मण न किसी के राज्य में रहता है और न किसी के अन्न से पलता है, स्वराज्य में विचरता है आर अमृत होकर जीता है।”